Necessary Signature of Parties of pleaders who MACHERIAN FIRST CIASS NO. 600 382 16 Or. Sr or Proceeding with Signal Arms Africa and Arms Arms and

उपरोक्तान्सार द्ध्या अमियोग अभियोग पत्र/परिवाद पत्र समयावधि के भीतर प्रस्तुत किया गया प्रतीत अधिवक्ता अभियुक्त / अभियुक्तगण किह्दा कि ६ ६। - राज्ञ अक्षा कि १८० व्यक्त कि १८० व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति १८० व्यक्ति वित्यक्ति व्यक्ति वित्यक्ति वित्यक्ति व्यक्ति वित्यक्ति वित्यक्ति व्यक्ति वित्यक्ति वित्यक्ति वित्यक्ति वित्यक्ति वित्यक्ति प्रथम अगियोग अधीन दण्डनीय अरायहा 1123 Charles विचार किया गया। के अवलोकन से प्रथ गेमोरेण्डम / तकालतनामा विराद्ध ते नी जोर से से इ.प. द्वनाज नार 书 ना ड्रन्स द्वनाच्या अधिनियमके निर्मास में अभियुक्त/अभियुक्तगण S. प्रकरण में संज्ञान के विषय प रेतात् पत्र व प्रस्तुत दस्तावेज अन्तरहादा i 13..... गया। ए०ईग्रिज्ञो० प्रस्तुत किया के.0. 202/12 अहार है। जारा महा अभियुक्त / अभियुक्तगण द्वारा संबंध /2016 आरह 4न पत्र/परिवाद राज्य पत्र/पश्चित्र अपराध किया।

आवार प्रकट हो रहे हैं। अन अमेर्युन्त अभियुक्तगण के विरुद्ध है। अने अभियुक्तगण के विरुद्ध है। अने अभियुक्तगण के विरुद्ध है। अने अभिय नहाम निय जाते। 中91/009 19 Sin is bits प्रकरणः का तनियन

माना नियुक्क वितार ज़ारा २३७ के अधीन प्राविधाना ·i ... अभियुक्त / अभियुक्तगण त्राप्त है। इतियोग पत्र गतः । इतियोग पत्र गतः । इतियोग पत्र गतः । इतियोग

जिन्से जाये। संपत्ति देशे, दराव व्ययनित की जाये। जप्तसुदा वाहन की को लौटाया जाये। सुपुर्दगी की दशा में जाता है तथा अपील की दशा में मान-आदेशों का पालन हो। प्रकरण का परिणाम आपराधिक प्रकरण का परिणाम आपराधिक प्रकरण का परिणाम आपराधिक अभिलेखागार प्रेषित किया जाये। , विचारणीय है। , 3 अभियुक्त / अभियु रखते हिं निर्णय की निःशुल्क प्रति अभिय क0. 6.887 स्थीद अद अभियुक्त / अभियुक्तगण को सर्गा भू अवसान तक की अवधि के दण्ड एवं ... के अर्थातण्ड से दण्डित किया गया। अ की दशा में अभियुक्त को म के अधीन अपराध की विशि अभियुक्त/अभियुक्तम प्रका अवसिता निरंश अन्य समझाये जा अतं: कराकर हरतामारित, दिनाकित, मुद्रां अभियुक्त को उक्त अपराध के अधीन स्वेच्छया स्वीकार किया। अभियुक्त / अभियुक्तगण स्तीकारोवित को ध्यान में रख करना स्वेच्छया स्वीकार किट शब्दों में लेखबद्द किया गया। कारावास भुगताया जावे। अरि संक्षिपत पढ़कर सुनाये गया। अविनियम िगणियानुसार किया धारा